# कुछ गड़बड़ मत करना

एडिथ थैचर हर्ड

चित्र: क्लेमेंट हर्ड



# कुछ गड़बड़ मत करना

एडिथ थैचर हर्ड

चित्र: क्लेमेंट हर्ड





"हम पिकनिक पर जाएँगे," पिता ने कहा.

"पिकनिक?" माँ ने कहा.

"हाँ," पिता ने कहा.

"आज हम पिकनिक पर जाएँगे."



"अच्छा," भाई ने कहा.

"अच्छा," बहन ने कहा.

"अच्छा,“स्मार्ट नामका

कुत्ता भौंका.

"इसमें कोई मज़ा नहीं है?"

बिल्ली कार्ल ने कहा.

"मैं पिकनिक पर नहीं जाऊँगी."





कार्ल को यह कहना पसंद था,

"मैं नहीं जाऊँगी."

फिर माँ, पिता, भाई,

बहन और कभी-कभी स्मार्ट,

उससे कहते,

"ओह, कार्ल.

कृपया, कार्ल.

कृपया हमारे साथ पिकनिक पर चलो."



लेकिन आज किसी ने नहीं कहा,

"ओह, कार्ल.

कृपया, कार्ल.

कृपया हमारे साथ

पिकनिक पर चलो."

शायद वे भूल गए.

माँ ने सिर्फ़ इतना कहा,

"मैं कुछ अच्छा खाना लेकर जाऊँगी."

पिता ने कहा,

"मैं कुछ अच्छा पीने के लिए

लेकर जाऊँगा."

भाई ने कहा,

"मैं अपनी गेंद लेकर जाऊँगा."

बहन ने कहा,

"मैं अपनी गुड़िया लेकर जाऊँगी."

स्मार्ट ने कहा,

"मैं क्या ले जाऊँ?"



कार्ल को समझ में नहीं

आया कि क्या कहे.

इसलिए उसने कहा,

"बिल्लियाँ पिकनिक पर नहीं जातीं."

"ठीक है," माँ ने कहा.

"तुम घर पर रहो, कार्ल.

घर की अच्छी तरह से देखभाल करो."

"देखो, कोई गड़बड़ मत करना,"

पिता ने कहा.

"कोई गड़बड़ नहीं."

"बिल्लियाँ गड़बड़ नहीं करतीं,"

कार्ल ने कहा.

फिर सब कार में बैठकर चले गए.





कार्ल घर पर ही रही.

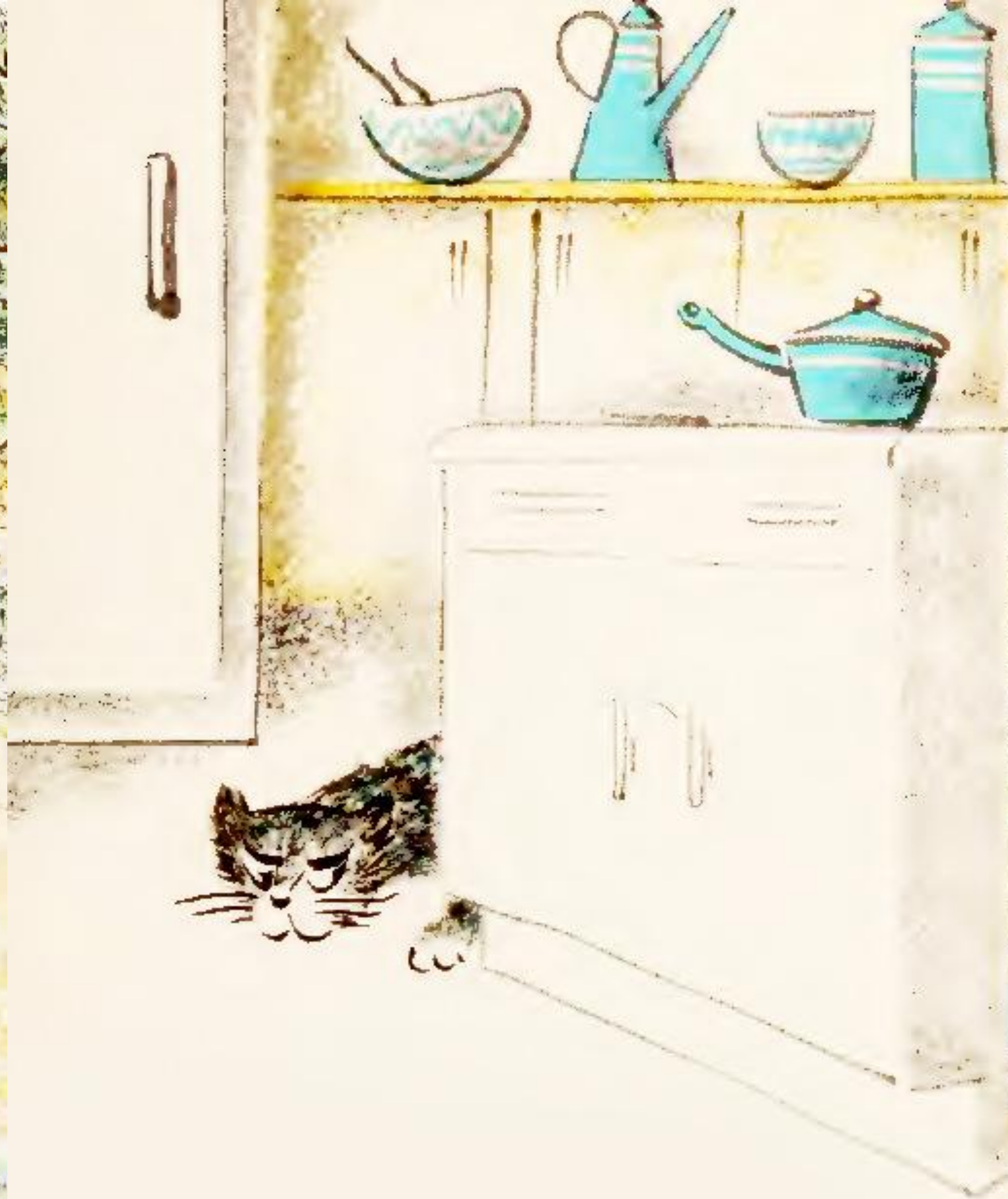
"मैं क्या करूं?" कार्ल ने कहा.

फिर कार्ल बगीचे में गई.

लेकिन वहां के सब पक्षी भी

चले गए थे.





कार्ल रसोई में गई.

लेकिन चूहे घर पर नहीं थे.

"चलो मैं सो जाऊंगी," कार्ल ने कहा,

"फिर मैं कोई गड़बड़ नहीं करूँगी."

उसके बाद कार्ल सो गई.

वह पिता की बड़ी कुर्सी पर सो गई.

ज़-ज़-ज़-ज़-ज़-ज़-ज़-ज़ज़ज़ज़ज़ज़ज़ज़

श! श! श!

कार्ल सो गई.

वह सपना देखने लगी.





कार्ल सपना देख रही थी कि

वह पिकनिक पर जा रही थी.

वह सपना देख रही थी कि

वह कार चला रही थी.

वह बहुत तेज़ गाड़ी चला रही थी.



"इतनी तेज़ गाड़ी मत चलाओ,"

पिता ने कहा. बहन ने कहा,

"कार्ल, इतनी तेज़ गाड़ी मत चलाओ."

माँ ने कहा, "ओह! ओह!"

भाई ने कहा,

"कार्ल, ज़रा और तेज़ चलाओ."



कार्ल पहाड़ी की चोटी पर पहुंची.

"ओह! ओह!" माँ ने कहा.

"रुको, कार्ल, रुको!"

पिता ने कहा.

लेकिन कार्ल नहीं रुकी.

वो चलती गई.



एक पुलिसवाले ने कार्ल को रोका.

"कारें सड़क पर ही रहनी चाहिए,"

पुलिसवाले ने कहा.

"तुम इतनी तेज़ गाड़ी

क्यों चला रही हो, बिल्ली?"

"बिल्लियों को तेज़ गाड़ी

चलाना पसंद है."

कार्ल ने कहा.



"तुम्हें चोट लग जाएगी,"

पुलिसवाले ने कहा.

"बिल्लियों को कभी

चोट नहीं लगती," कार्ल ने कहा.

"बिल्लियों की नौ ज़िंदगियाँ होती हैं."

"अब और ज्यादा मज़ाक नहीं,"

पुलिसवाले ने कहा.

"नहीं," कार्ल ने कहा.

"अब और मज़ाक नहीं."





कार्ल ने बहुत धीमी गति से

गाड़ी चलाई.

वह समुद्र तट पर गई.

"हम यहाँ पिकनिक मनाएँगे,"

पिता ने कहा.

कार्ल ने कार रोकी.

सभी लोग बाहर निकले.



कार्ल ने आग जलाई.

"बहुत बड़ी आग मत जलाओ, कार्ल,"

पिता ने कहा.

"आग मुझे गर्म और खुश करती है,"

कार्ल ने कहा.

"हम इस अच्छी गर्म आग पर

क्या पकाएँगे?"



"हॉट डॉग," माँ ने कहा.

"अच्छा," कार्ल ने कहा.

"मुझे असली कुत्तों से ज़्यादा

हॉट डॉग पसंद हैं."



स्मार्ट, कार्ल पर चिल्लाया.

लेकिन कार्ल एक

हॉट डॉग पका रही थी.

उसने कुछ नहीं कहा.

कार्ल ने एक, दो, तीन, चार,

पाँच, छह, सात, आठ, नौ,

दस, ग्यारह, बारह, तेरह,

चौदह, पंद्रह, सोलह,

सत्रह, अठारह, उन्नीस.

बीस हॉट डॉग खाए.





"रुको," माँ ने कहा.

"तुम बीमार पड़ जाओगी."

"ओह नहीं," कार्ल ने कहा.

"बिल्लियां, हॉट डॉग

पसंद करती हैं."

"वूफ़!" स्मार्ट कुत्ता भौंका.



"कौन तैरना चाहता है?"

पिता ने पूछा.

"मैं तैरना चाहता हूँ," भाई ने कहा.

"मैं तैरना चाहती हूँ," बहन ने कहा.

"मैं तैरना चाहता हूँ," स्मार्ट भौंका.

"मैं देखूँगी," माँ ने कहा.

फिर माँ ने देखा.



पिता तैरे.

भाई तैरा.

बहन तैरी.

स्मार्ट तैरा.

माँ ने देखा.





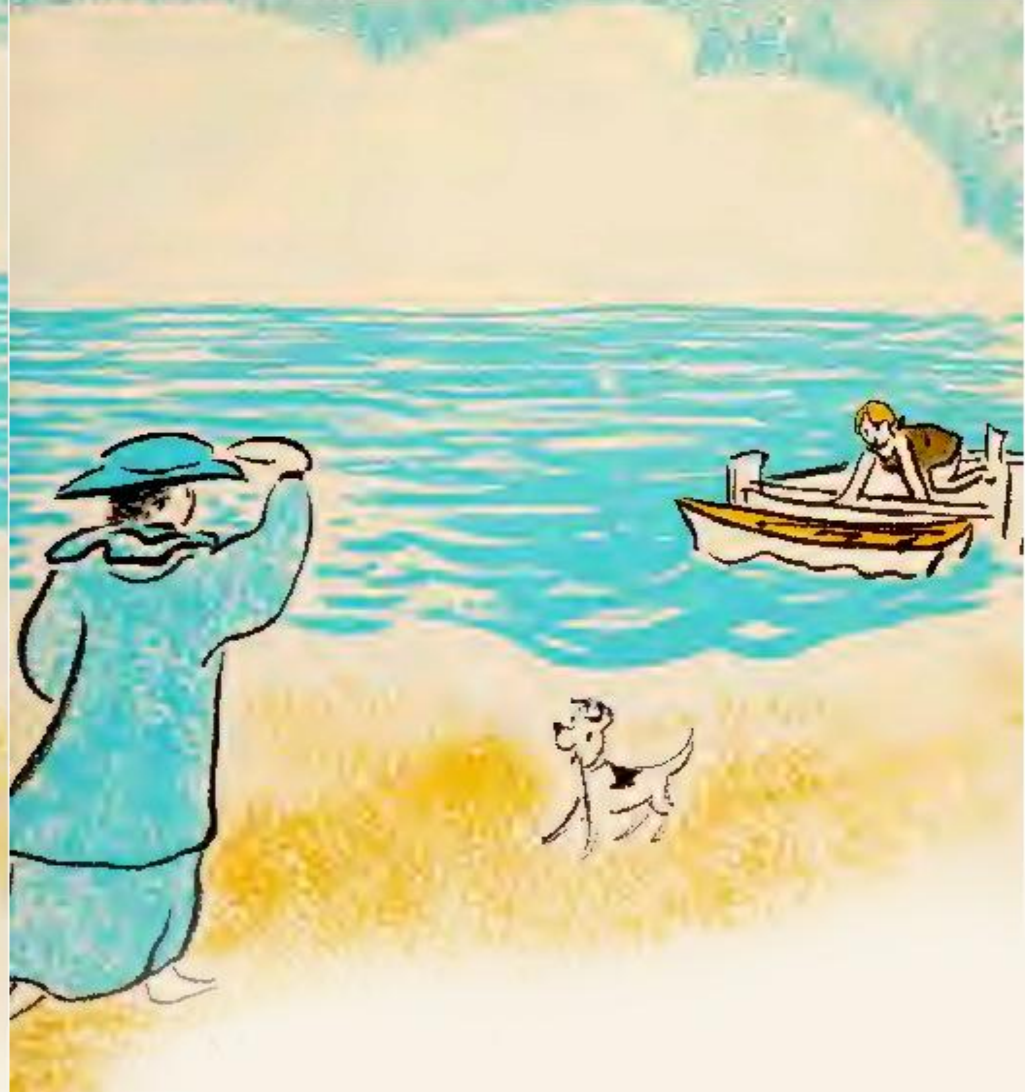
"कार्ल कहाँ है?" पिता ने पूछा.

"कार्ल कहाँ है?" बहन ने पूछा.

"कार्ल कहाँ है?

कहाँ हो कार्ल. कहाँ हो कार्ल."

भाई ने कहा.



माँ देख रही थी.

लेकिन उसने कार्ल को नहीं देखा था.

वह पेड़ पर नहीं थी.

वह नाव में नहीं थी.



"कार्ल, कार्ल, तुम कहाँ हो?"

बहन ने कहा.

"शायद वह बहुत दूर तैर गया

होगा," भाई ने कहा.



"ओह नहीं," बहन ने कहा.

"बेचारी कार्ल. बेचारी छोटी कार्ल."

बहन रोने लगी.

"तुम कहाँ हो, कार्ल?"



"मैं यहाँ हूँ," कार्ल ने कहा.

बहन ने देखा.

भाई ने देखा.

माँ और पिताजी ने देखा.

कार्ल वहां थी.



फिर वह वापस तैरकर आई.

"तुम वहाँ कैसे पहुँचीं?" बहन ने कहा.

"मैं देख रही थी," माँ ने कहा.

"लेकिन मैंने तुम्हें नहीं देखा,"

"मैं वहां पानी के नीचे तैरकर गई,"

कार्ल ने कहा





"बहुत देर हो चुकी है," माँ ने कहा.

"अब हमें घर जाना चाहिए."

"ओह नहीं," भाई ने कहा.

"मैं स्मार्ट के साथ गेंद खेलना चाहता हूँ."

"ठीक है," माँ ने कहा.

"तुम थोड़ी देर के लिए

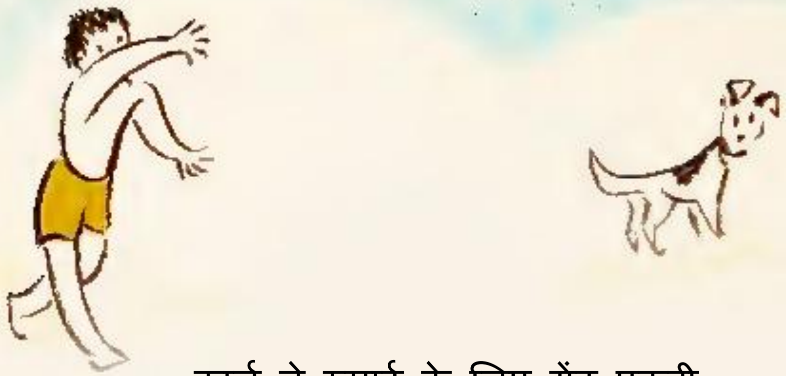
स्मार्ट के साथ गेंद खेल सकते हो."



स्मार्ट और भाई ने गेंद खेली.

स्मार्ट ने बहुत अच्छा नहीं खेला.

वह गेंद को पकड़ नहीं पाया.



कार्ल ने स्मार्ट के लिए गेंद पकड़ी.

उसने हर बार गेंद पकड़ी.

कार्ल गेंद लेकर भागी.

उसने खेल जीत लिया.

"मैंने खेल जीत लिया,"

कार्ल ने कहा.





स्मार्ट को यह पसंद नहीं आया

कि कार्ल कहे

कि उसने खेल जीता था.

पिता ने कहा,

"यहाँ बहुत गड़बड़ चल रही है."

"चलो अब हम घर वापिस चलें."

"अरे नहीं," बहन ने कहा.

"मैं नाव में सवारी करना चाहती हूँ.

मैं अपनी गुड़िया को ले जाना चाहती हूँ."

"लेकिन तुम अकेले नहीं जा सकती हो,"

पिता ने कहा.

"तुम पानी में गिर सकती हो.

तुम्हारी गुड़िया पानी में गिर सकती है."





कार्ल नाव में कूद गई.

"मैं तुम्हें लेकर जाऊँगी,"

कार्ल ने कहा.

"धन्यवाद," बहन ने कहा.



कार्ल नाव चलाती रही.

"बहुत दूर मत जाना," माँ ने कहा.



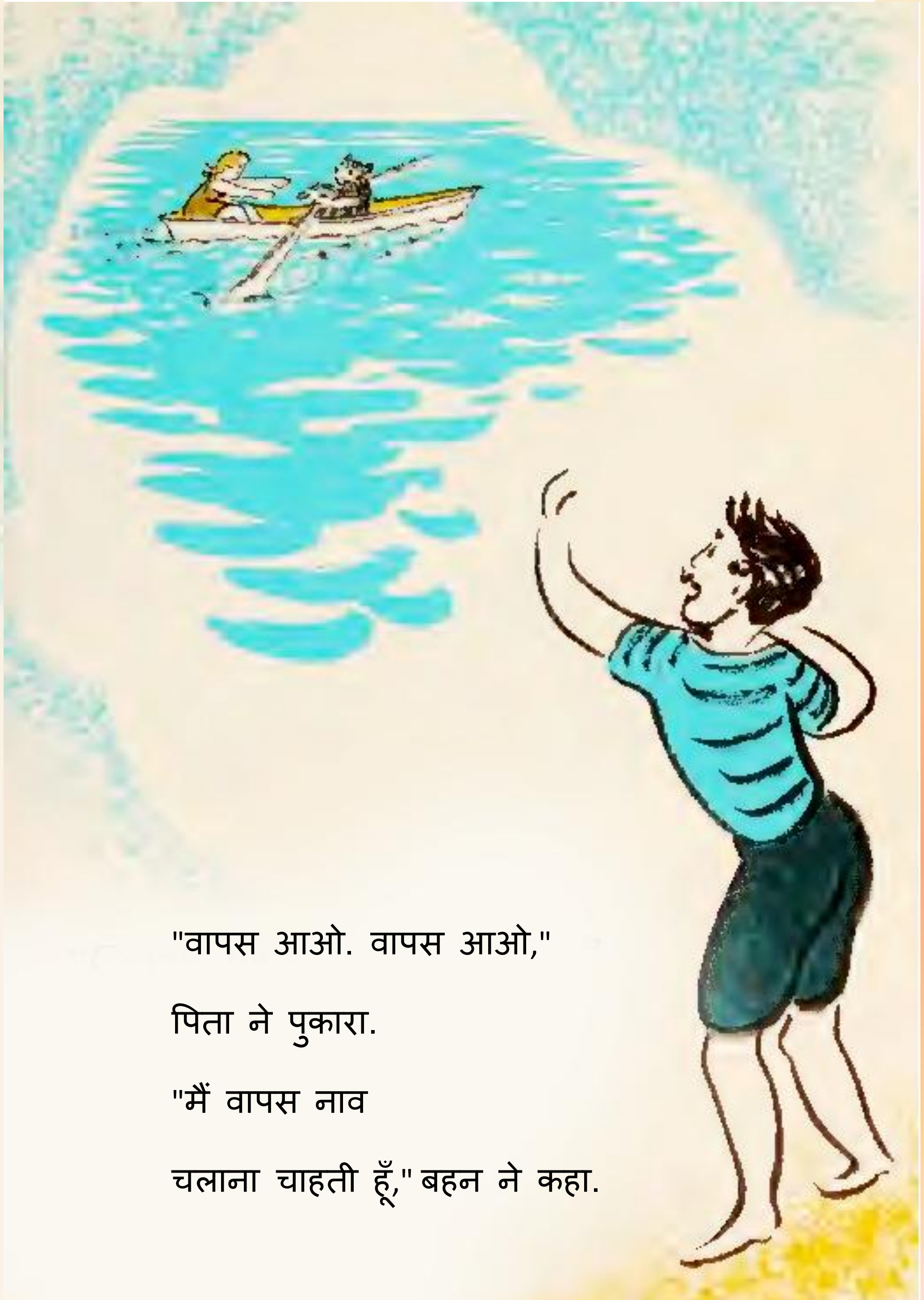
बहन उछली.

उसने माँ को हाथ हिलाया.

बहन की गुड़िया

लगभग पानी में गिर गई थी.

लेकिन कार्ल ने उसे पकड़ लिया.



"वापस आओ. वापस आओ,"

पिता ने पुकारा.

"मैं वापस नाव

चलाना चाहती हूँ," बहन ने कहा.



"नहीं," कार्ल ने कहा.

"तुम्हें नाव चलाना नहीं आती है."

बहन रोने लगी.

"ठीक है," कार्ल ने कहा.



बहन नाव चलाने लगी.

उसे नाव चलाना नहीं आती थी.

"ओह प्रिय! ओह प्रिय!"

बहन ने कहा.



माँ देख रही थी.

"ओह, ओह," माँ चिल्लाई.

"मदद करो! मदद करो!

कार्ल और बहन अब क्या करेंगे?

वे समुद्र में डूब जाएँगे.

मदद करो! मदद करो!"



कार्ल पानी में कूद गई.

वह तैरती रही और तैरती रही.



"ओह शुक्रिया," बहन ने कहा.

"तुमने मेरी जान बचाई, कार्ल."

"यह तो कुछ भी नहीं है,"

कार्ल ने कहा.



"यहाँ बड़ी गड़बड़ चल रही है,"

पिता ने कहा.

"अब हम घर जाएंगे."

फिर वे सब घर गए.

जब वे घर पहुँचे तो वहां पर कार्ल थी.

वह पिता की बड़ी कुर्सी पर बैठी हुई थी.

वह अभी भी पिकनिक के बारे में

सपना देख रही थी.

"श-श-श-श," माँ ने कहा.

"कार्ल सो रही है.

उसे मत जगाओ."

जब कार्ल ने माँ को यह कहते सुना,

"उसे मत जगाओ," तो वह जाग गई.

"मैं सपना देख रही थी," उसने कहा.





"तुमने कोई गड़बड़ तो नहीं की?"

पिता ने पूछा.

उन्होंने कमरे में चारों ओर देखा

कि कहीं कार्ल ने कोई

गड़बड़ तो नहीं की थी.

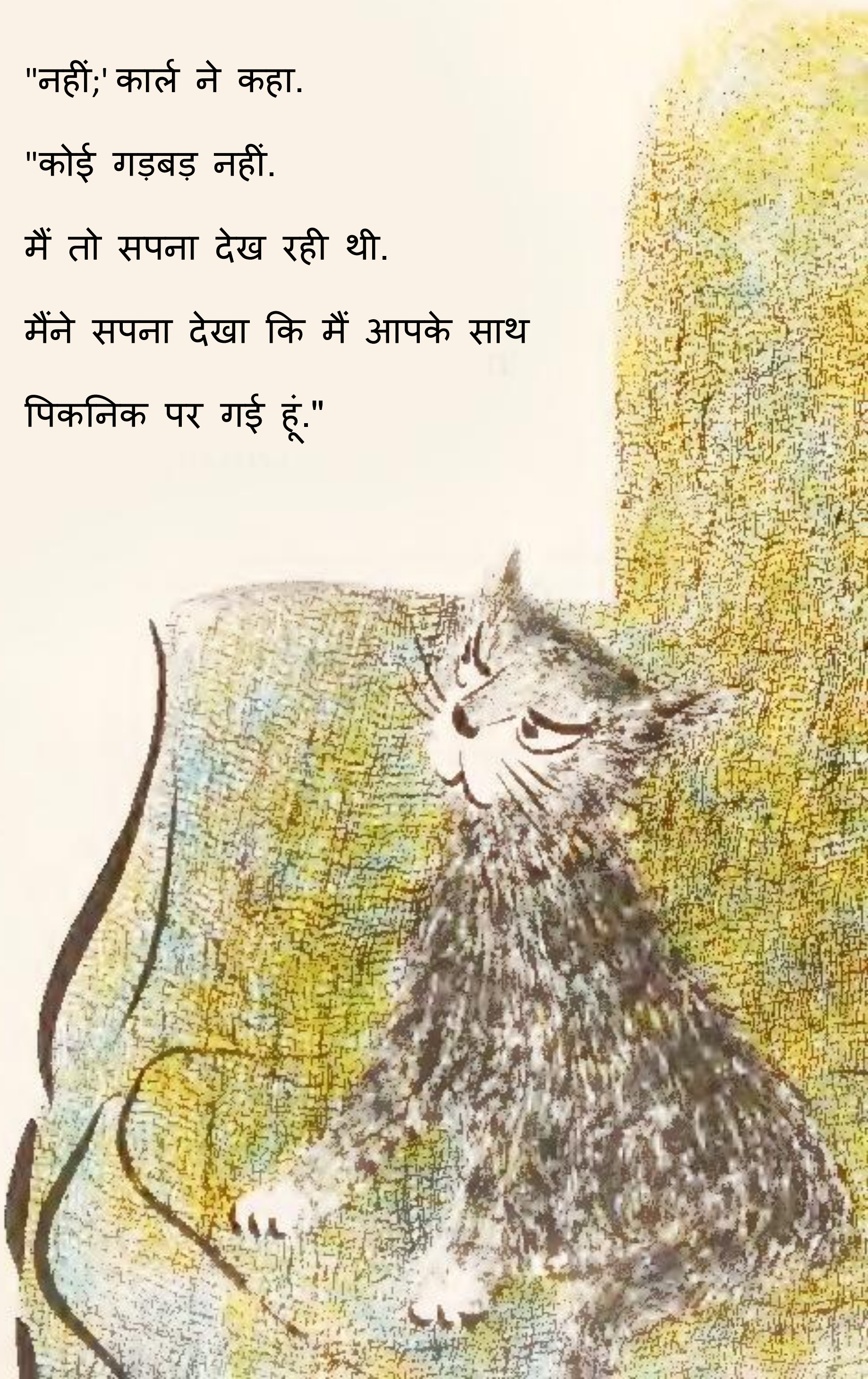
"नहीं;' कार्ल ने कहा.

"कोई गड़बड़ नहीं.

मैं तो सपना देख रही थी.

मैंने सपना देखा कि मैं आपके साथ

पिकनिक पर गई हूं."



"ओह, कार्ल," बहन ने कहा.

"बेचारी छोटी कार्ल.

क्या तुम सच में हमारे साथ

पिकनिक पर जाना चाहती थीं?"

"हम जल्द ही फिर जाएँगे."

माँ ने कहा.

"क्या तुम हमारे साथ आओगी, कार्ल?"

"ओह, कार्ल.

कृपया, कार्ल.

कृपया हमारे साथ पिकनिक पर चलना,"

माँ, पिता, बहन,

भाई और स्मार्ट ने कहा.

"कृपया हमारे साथ पिकनिक पर चलना."



कार्ल ने यह नहीं कहा,

"मैं नहीं जाऊँगी."

पर उसने यह भी नहीं कहा,

"मैं जाऊँगी,"

उसने बस इतना कहा,

"ठीक है, शायद,"

लेकिन वह बहुत, बहुत खुश थी.



**अंत**